# ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

FOR GOD AND COUNTRY

**STUDY MATERIAL -5**
**CLASS – ix**

**DATE-08.05.2020**

**SUBJECT – HINDI**
**CHAPTER NAME – गुरुनानक**

---

**क- सभी प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर याद कीजिए ।**

**प्रश्न १ गुरु नानक हम क्यों फट काटते हैं?**

**उत्तर . क्योंकि हमारा अपना सही स्वरूप हम दिखाती आचरण कर रहे हैं धार्मिक जीवन से अभिप्राय या नहीं है कि हम ऐसा जीवन जिए जो संसार से विमुख हो ।**

**प्रश्न २. गुरु नानक के अनुसार सबसे बड़े पैगंबर कौन हैं ?**

**उत्तर. गुरु नानक के अनुसार सबसे बड़े पैगंबर वह हैं जो भूखों को खिलाते हुए दिखते हैं बीमारों का उपचार करते हैं जो पापियों को क्षमा कर देते हैं वह सबसे बड़े पैगंबर है ।**

**प्रश्न ३. गुरु नानक ने हमें क्या उपदेश दिए हैं ?**

**उत्तर. गुरु नानक ने हमें उपदेश दिए हैं कि हम सभी उस एक परमात्मा के परिवार के सदस्य हैं अतः हमें जात- पात स्पर्श धार्मिक मतभेद हिंदू, मुस्लिम, सिख ,ईसाई आदि भेदो से दूर रहना चाहिए ।**

**प्रश्न ४. ओंकार का क्या अर्थ है ?**

**उत्तर. ओंकार का अर्थ है तीन अक्षर का संयुक्त रूप है। ओंकार 'अ' का अर्थ है जागृत अवस्था उ का अर्थ है सपना अवस्था और म का अर्थ है सुबुद्धि अवस्था तीनों अवस्थाएं ओम कार्य में एक आकर हो जाती है ओंकार हमें सत्य से साक्षात्कार आता है ।**

**प्रश्न ५. गुरु नानक ने हमारे अस्तित्व का हेतु किसे बताया है ?**

**उत्तर. गुरु नानक ने हमारे अस्तित्व का हेतु उसे बताया है। जो पवित्र है जो आप परिवर्तनशील है जो सभी कालों में विद्यमान है वह मूल चट्टान जिसे तराश कर हमें बनाया गया है वहीं हमारे अस्तित्व का हेतु है ऐसा गुरु नानक ने बताया है ।**

**प्रश्न ६. पठित पाठ गुरु नानक के व्यक्त लेखक के विचारों को लिखें?**

**उत्तर. गुरु नानक का जीवन काल 15वीं और 16वीं शताब्दी से संबंध है। उस काल में हिंदू इस्लाम आदि धर्म का पतन हो रहा था हमारे देश का इतिहास रहा है, कि जब भी ऐसे संकट में के काल आते हैं कोई न कोई महापुरुष अवतरित होता है और हमें सत्य मार्ग पर ले जाता है नानक का जन्म में भी ऐसी परिस्थितियों में हुआ था। जब हमारा नैतिक और आध्यात्मिक पतन हो रहा था ऐसे समय में गुरु नानक ने हमें आंतरिक सजगता और बाध्य कुशलता का पाठ पढ़ाया।**

**गुरु नानक देव की फटकार आज भी हमें उतने ही आवश्यक है। क्योंकि आज भी हम दिखावटी है ।**

**गुरु नानक हमें फटकारते हैं क्योंकि हम अपना सही स्वरूप भूल गए हैं हम सत्य ही जीवन जी रहे है। हम दिखावटी आचरण कर रहे हैं । धार्मिक जीवन से अभिप्राय या नहीं है कि हम ऐसा जीवन जिए जो संसार से विमुख है अधिकांश व्यक्ति सोचते हैं कि संतों के जीवन में कुछ कठोरता और उदासीनता होती है यह सत्य नहीं है जो परमात्मा का साक्षात्कार करते हैं । वे समाज के दुखिया विफलताओं के प्रति कठोर दृष्टिकोण नहीं दिखते रखते हैं और मान के दुखों के प्रति भी सहानुभूति का दृष्टिकोण रखते हैं तथा वे उन दुखों को पूरी तरह समझते हैं उन सभी दुख और यात्राओं को समझते हैं । जो हम इस संसार में भोग रहे हैं भाग्य और परिवर्तन हम क्यों ठोकर खाते हैं हम क्यों मुंह में फंस जाते हैं।**

**देश की तत्कालीन दुखद स्थिति के लिए गुरु नानक उन लोगों को दोषी ठहराते थे। जिनकी चरित्र हीनता और आक्रमण नेता तथा प्रशस्ति के कारण देश की दुर्दशा हुई थी आज के संदर्भ में भी यही बात सत्य हैं अंत हम कह सकते हैं, कि वर्तमान के संदर्भ में गुरु नानक देव के संदेश उतने ही प्रभावशाली हैं और सार्थक हैं जो आज के संदर्भों की कसौटी पर खड़े हैं।**

**Sonia Gupta**